उत्पत्ति ३०

- याकूब दो पत्नियाँ लेता है – राहेल और लेआ।
- लावान (लाबान) ने याकूब को धोखा देकर दोनों बहनों से विवाह कराया।
- याकूब अस्सी वर्ष की आयु में पिता बनता है।
- अध्याय २९ लेआ के बच्चों पर केन्द्रित है।
- अध्याय ३० राहेल के बच्चों पर केन्द्रित है।

राहेल की कहानी

- राहेल, सुन्दर पत्नी, लेआ से ईर्ष्या करती है।
- राहेल वही करती है जो सारा ने किया था; वह अपनी दासी बिलहा को याकूब को देती है ताकि वह सन्तान उत्पन्न करे।
- बिलहा "पत्नी" नहीं... बल्कि उपपत्नी थी।
- परमेश्वर ने याकूब के दो पत्नियाँ लेने के निर्णय को अच्छा नहीं माना।

हमें परमेश्वर की आज्ञाओं को ऐतिहासिक तथ्यों के कथनों से अलग करना चाहिए

- बाइबिल मनुष्यों के कथनों से भरी है जो झूठ, अतिशयोक्ति, अशुद्धियाँ और अन्धविश्वास हैं।
- बाइबिल प्रत्येक कथन या कार्य पर यह टिप्पणी करने का समय नहीं लेती कि वह सही था या गलत।
- हमें परमेश्वर के सिद्धान्तों को सीखना चाहिए ताकि हम जान सकें कि कोई कार्य या कथन परमेश्वर की दृष्टि में सही था या गलत।

लाबान धोखा देने वाला

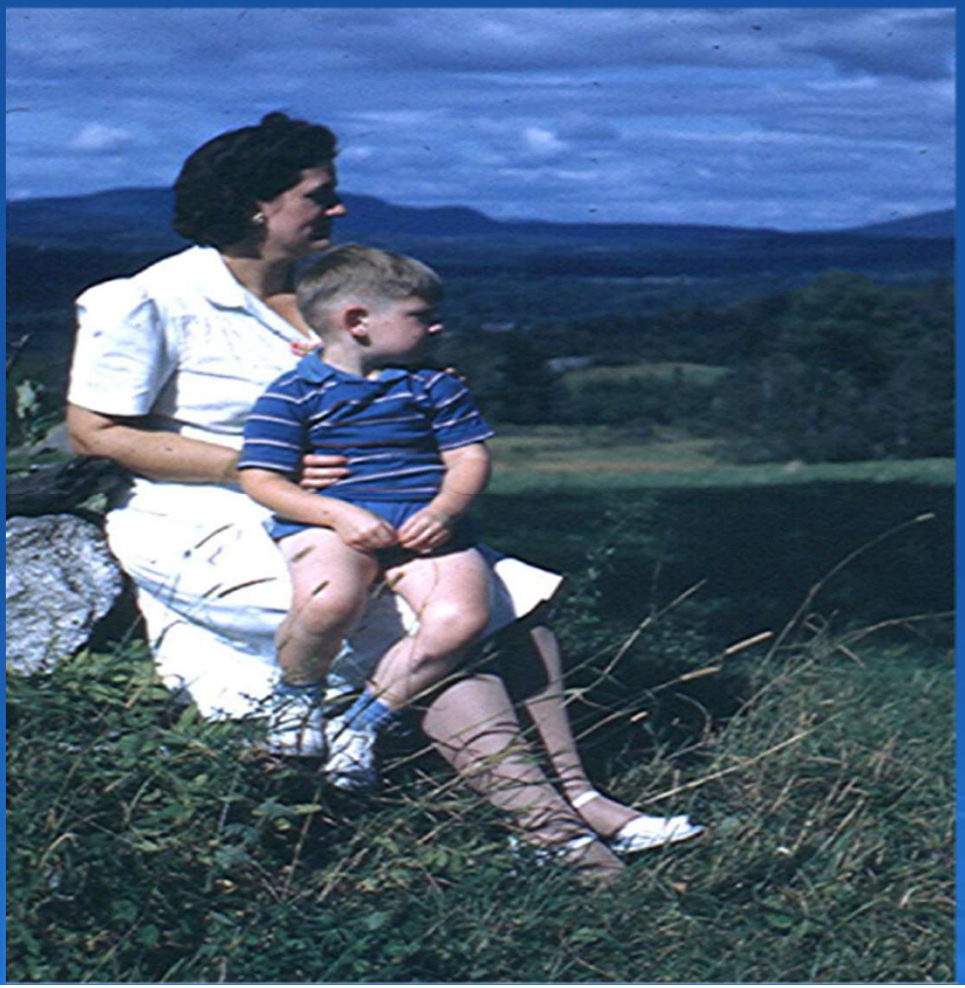

- हिब्रू मुहावरा का अर्थ है उस बच्चे पर कानूनी दावा करना।
- यह तब प्रयुक्त होता था जब दासी सरोगेट माता होती थी, या गोद लेने में।
- नोट: राहेल अपनी दासी के बच्चों को अपना मानने के लिए बाध्य नहीं थी।
- बिलहा के सम्भवतः अपने बच्चे थे, जिन्हें उसने अपने ही रूप में पाला-पोसा।
- बिलहा ने दान को जन्म दिया, और फिर नफ्ताली को।

बहनें याकूब के स्नेह के लिए युद्ध में लग जाती हैं

मन्द्रागौरा

- लेआ राहेल की सफलता देखती है और अपनी दासी जिल्पा को याकूब को अर्पित करती है।
- जिल्पा गाद और फिर अशेर को जन्म देती है।
- लेआ का पुत्र रूबेन अपनी माता के लिए मन्दराक एकत्र करता है।
- मन्दराक एक काम-उत्तेजक औषधि है।
- मन्दराक = दुदा'इम
- प्रेम = दोदई
- मन्दराक केवल एक प्राचीन अन्धविश्वास थे।
- लेआ तीन और बच्चों को जन्म देती है, जबकि राहेल तीन और वर्षों तक बाँझ रहती है।

निम्नलिखित याकूब के चौदह पुत्रों की सूची है

लेआ			दिये गए अंक जन्म के क्रम को दर्शाते हैं
	१.	रूबेन	
	२.	शमौन	
	३.	लेवी	
	४.	यहूदा	
	९.	इस्साखार	
	१०.	जबलून	
जिल्पा			जिल्पा लेआ दासी थी
	७.	गाद	
	८.	आशेर	
राहेल	११.	यूसुफ	यद्यपि यूसुफ याकूब का पुत्र था, फिर भी कभी यूसुफ का कोई गोत्र नहीं था।
	१३. १४.	एफ्राईम मनश्शे	एफ्राईम और मनश्शे यूसुफ के पुत्र थे, परन्तु याकूब ने उन्हें अपने अन्य पुत्रों के साथ पाला-पोसा, [1] अपने अन्य बच्चों के साथ समानता दी। [2]
	१२.	बिन्यामिन	
बिल्हा			बिल्हा राहेल दासी थी
	५.	दान	
	६.	नफ्तली	

याकूब के पुत्र मेसोपोटामिया में जन्मे

- "परमेश्वर ने मेरी लज्जा दूर कर दी" पद २३
- दूर कर दी = आसाफ
- "प्रभु ने मुझे एक पुत्र जोड़ा..."
- जोड़ा = योसेफ
- योसेफ और आसाफ मिलकर यूसुफ का नाम बनाते हैं
- भविष्यसूचक, यूसुफ को दूर किया गया, और फिर वापस जोड़ा गया

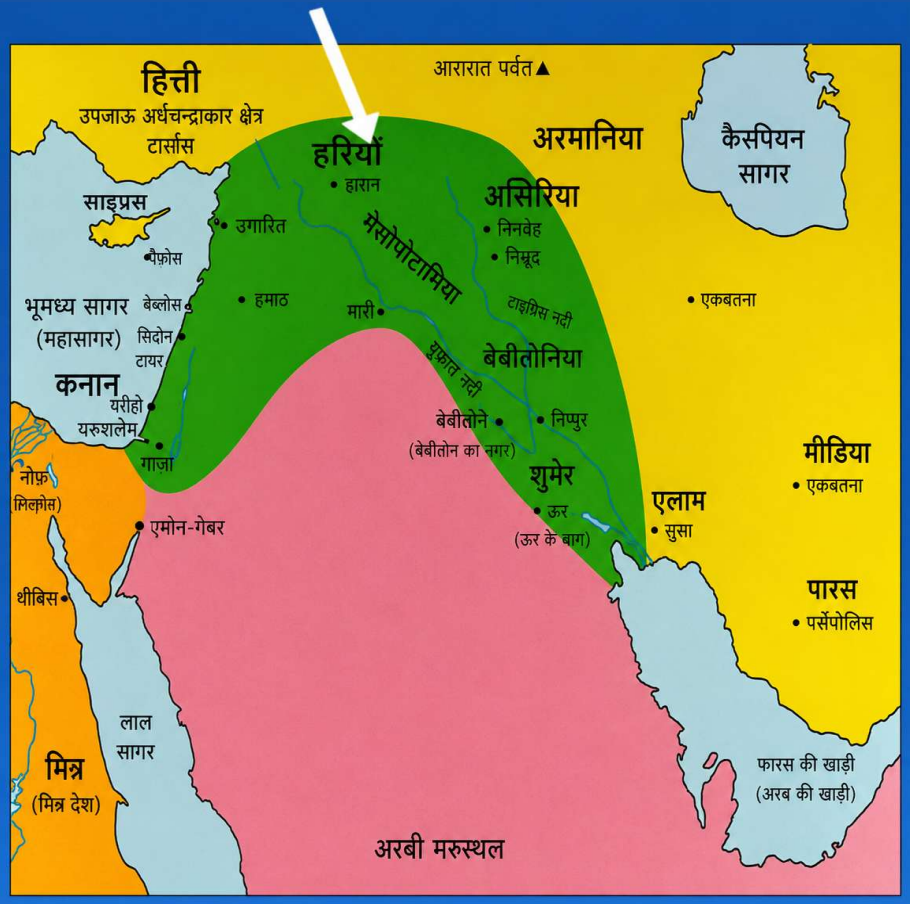

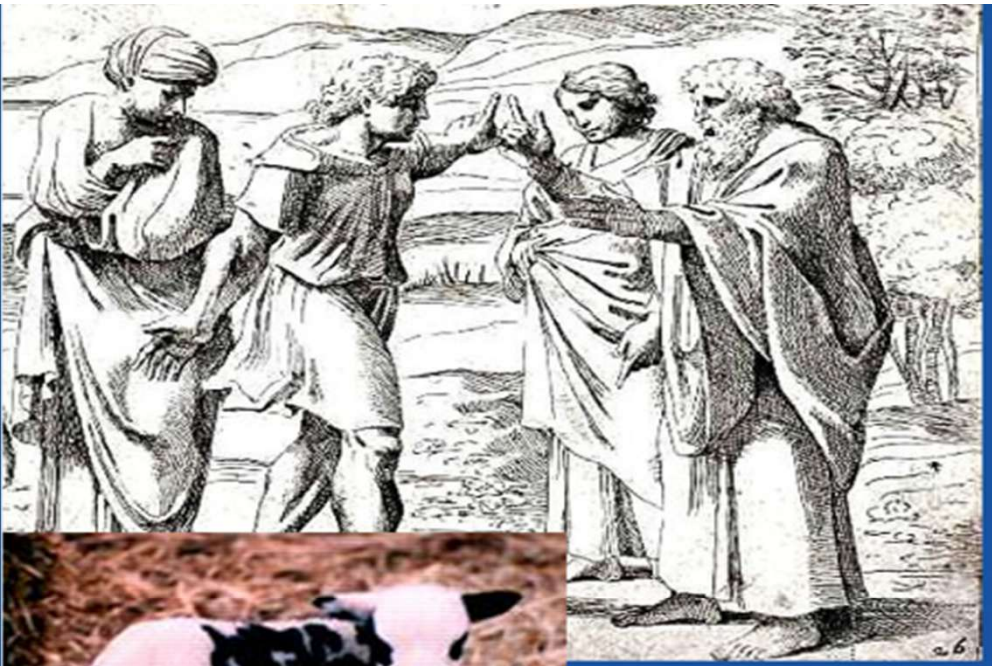

धोखेबाज़ों का युद्ध

- लाबान एक अध्यात्मवादी है, वह अनेक देवताओं में विश्वास रखता है।
- लावान परमेश्वर के नाम का आह्वान करता है क्योंकि वह जानता है कि याकूब का परमेश्वर विद्यमान है।
- याकूब सारी चित्तीदार और धब्बेदार भेड़-बकरियों के बदले रहने के लिए सहमत हो जाता है।

मिस्टर व्हाइट से मिलिए

- ये पद सब “रंग” के बारे में हैं।
- शुद्ध सफेद भेड़ें, शुद्ध काली बकरियाँ लाबान के पास जाती हैं।
- चित्तीदार और धब्बेदार याकूब के पास जाती हैं।
- सामान्य = शुद्ध सफेद भेड़ें, काली बकरियाँ।
- लावान (लाबान) का हिब्रू अर्थ है सफेद!
- भेड़ों और बकरियों पर सफेद धब्बों का स्थान, जो सफेद और काली थीं, लावान को क्रोधित कर देता था।

उत्पत्ति ३१

- इतिहास स्वयं को दोहराता है।
- याकूब का जीवन अब्राहम के जीवन के समान है।
- क्या याकूब मेसोपोटामिया का था या कनान का?
- जैसे अब्राहम और लूत को झुण्डों और पशुओं के विषय में अलग होना पड़ा, वैसे ही याकूब और लाबान को।
- विभाजन और अलगाव शायद ही कभी सुखद शर्तों पर होता है।
- याकूब मेसोपोटामिया से पारिवारिक सम्बन्ध तोड़ देगा, और कनान की भूमि उसका घर बन जाएगी।

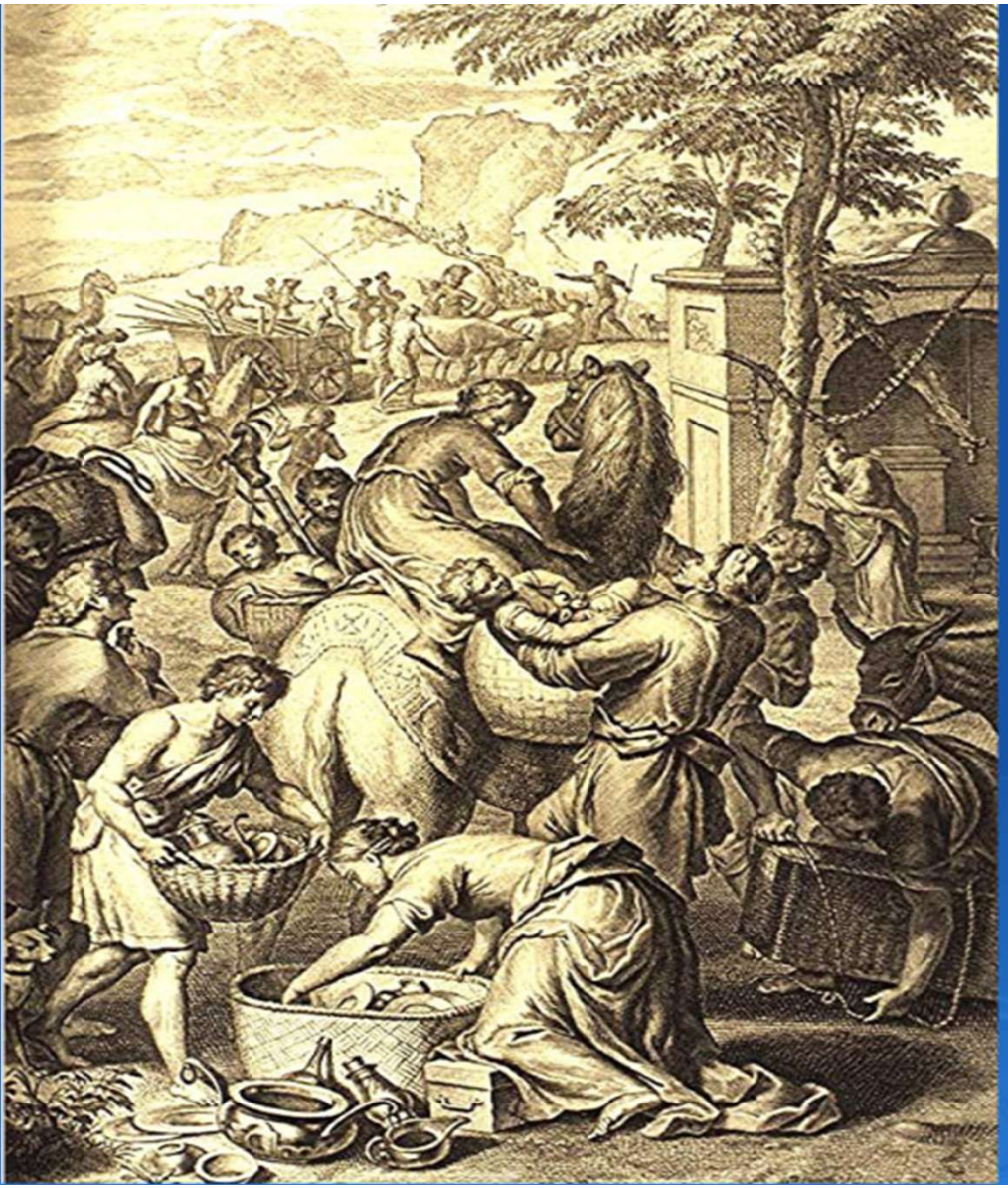

याकूब भाग जाता है

- लाबान और उसके पुत्र याकूब के झुण्डों के आकार पर कुढ़ते हैं।
- परमेश्वर याकूब को कनान लौटने का निर्देश देता है।
- याकूब अपनी पत्नियों से परामर्श करता है।
- जब लाबान दूर होता है, याकूब और उसका परिवार शीघ्र सामान बाँधकर भाग जाते हैं।
- राहेल अपने पिता के घर के देवताओं को चुरा लेती है।

राहेल ने घर के देवताओं को इसलिए लिया क्योंकि जिसके पास घर के देवता होते थे, वही परिवार की सम्पत्ति और अधिकार का उत्तराधिकारी माना जाता था।